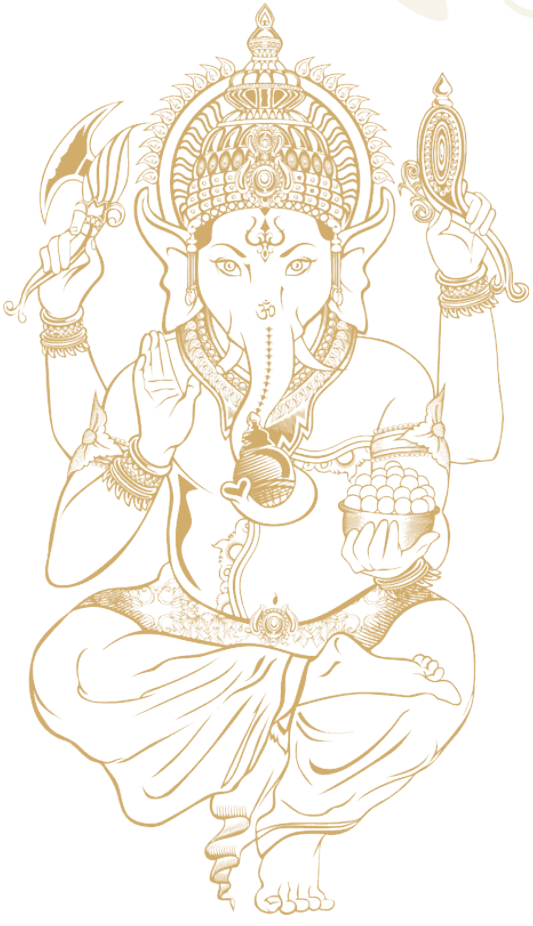

Dilip kumar

25 Oct 2003

07:00 AM

Karauli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121137707

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/10/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	01:23:50 घटी
स्थान	**Karauli**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:30:00 उत्तर
रेखांश	77:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:38:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:53 घंटे
साम्पातिक काल	08:50:25 घंटे
सूर्योदय	06:26:28 घंटे
सूर्यास्त	17:45:07 घंटे
दिनमान	11:18:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	07:18:46 तुला
लग्न के अंश	13:51:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	विष्कुम्भ
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:51:33	314:14:02	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			तुला	07:18:46	00:59:48	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			तुला	00:41:37	14:58:00	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	10:58:27	00:19:13	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	तुला	07:04:40	01:39:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	17:59:55	00:10:29	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			तुला	25:05:41	01:14:39	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	स्वराशि
शनि			मिथु	19:19:58	00:00:06	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		मेष	26:35:35	00:01:46	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:35:35	00:01:46	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:04:34	00:00:43	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:29:40	00:00:04	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:10:44	00:01:42	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कर्क	16:14:45	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:22

लग्न-चलित

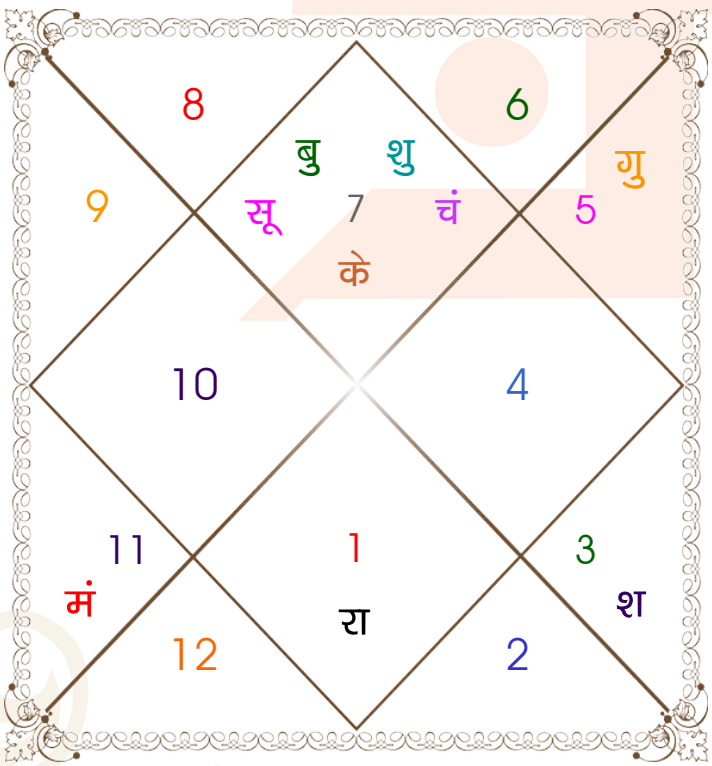

चन्द्र कुंडली

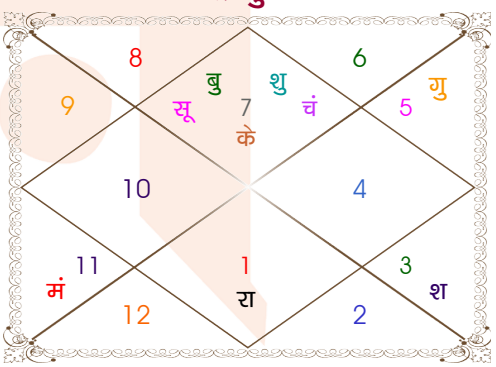

नवमांश कुंडली

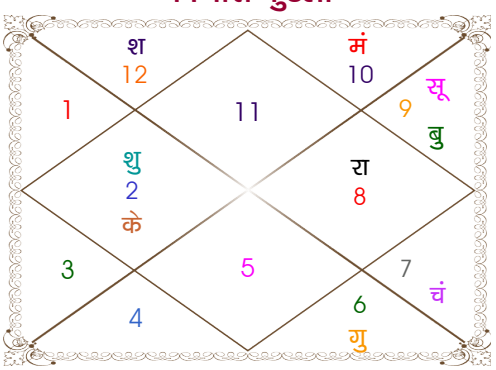

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 1 मास 19 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
25/10/2003		13/12/2006		13/12/2024		13/12/2040		13/12/2059	
13/12/2006		13/12/2024		13/12/2040		13/12/2059		13/12/2076	
	00/00/0000	राहु	25/08/2009	गुरु	31/01/2027	शनि	16/12/2043	बुध	11/05/2062
	00/00/0000	गुरु	19/01/2012	शनि	13/08/2029	बुध	26/08/2046	केतु	08/05/2063
	00/00/0000	शनि	25/11/2014	बुध	19/11/2031	केतु	04/10/2047	शुक्र	08/03/2066
	25/10/2003	बुध	13/06/2017	केतु	25/10/2032	शुक्र	04/12/2050	सूर्य	13/01/2067
बुध	10/06/2004	केतु	02/07/2018	शुक्र	26/06/2035	सूर्य	16/11/2051	चंद्र	13/06/2068
केतु	06/11/2004	शुक्र	02/07/2021	सूर्य	13/04/2036	चंद्र	16/06/2053	मंगल	10/06/2069
शुक्र	06/01/2006	सूर्य	26/05/2022	चंद्र	13/08/2037	मंगल	26/07/2054	राहु	29/12/2071
सूर्य	14/05/2006	चंद्र	25/11/2023	मंगल	20/07/2038	राहु	01/06/2057	गुरु	05/04/2074
चंद्र	13/12/2006	मंगल	13/12/2024	राहु	13/12/2040	गुरु	13/12/2059	शनि	13/12/2076

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/12/2076		13/12/2083		14/12/2103		14/12/2109		14/12/2119	
13/12/2083		14/12/2103		14/12/2109		14/12/2119		00/00/0000	
केतु	11/05/2077	शुक्र	14/04/2087	सूर्य	02/04/2104	चंद्र	14/10/2110	मंगल	12/05/2120
शुक्र	11/07/2078	सूर्य	13/04/2088	चंद्र	02/10/2104	मंगल	15/05/2111	राहु	30/05/2121
सूर्य	16/11/2078	चंद्र	13/12/2089	मंगल	06/02/2105	राहु	13/11/2112	गुरु	06/05/2122
चंद्र	17/06/2079	मंगल	12/02/2091	राहु	01/01/2106	गुरु	15/03/2114	शनि	15/06/2123
मंगल	13/11/2079	राहु	12/02/2094	गुरु	20/10/2106	शनि	15/10/2115	बुध	26/10/2123
राहु	30/11/2080	गुरु	13/10/2096	शनि	02/10/2107	बुध	15/03/2117		00/00/0000
गुरु	06/11/2081	शनि	13/12/2099	बुध	08/08/2108	केतु	14/10/2117		00/00/0000
शनि	16/12/2082	बुध	14/10/2102	केतु	14/12/2108	शुक्र	15/06/2119		00/00/0000
बुध	13/12/2083	केतु	14/12/2103	शुक्र	14/12/2109	सूर्य	14/12/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 1 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।